हिन्दी में काम करने के लिये उपलब्ध कराई गई आधुनिक यांत्रिक सुविधायें

2300. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) प्रत्येक विभाग मे कितनी संख्या मे आधुनिक यांत्रिक सुविधायें, विशेष रूप से टेलीप्रिंटर, टैलेक्स, कम्प्यूटर, इलैक्ट्रानिक टंकण यंत्र शब्द संसाधित्र, टंकण यंत्र आदि अलग-अलग से अंग्रेजी और हिन्दी के लिए उपलब्ध कराये गये हैं ;

(ख) क्या यह सच है कि हिन्दी में कार्य करने के लिए इस सम्बन्ध में पर्याप्त सुविधायें उपलब्ध नही कराई गई हैं ; और

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनार्दन पुजारी) : (क) वित्त मंत्रालय (मुख्य) के संबंध में विभागवार सूचना निम्न प्रकार है :—

	टैलीप्रिंटर/ टैलेक्स		कम्प्यूटर/ संसाधक		शब्द इलैक्ट्रानिक/ विद्युत् टंकण मशीन		टंकण मशीन	
	अंग्रेजी	हिन्दी	अंग्रेजी	हिन्दी	अंग्रेजी	हिन्दी	अंग्रेजी	हिन्दी
1. व्यय विभाग	2	—	—	—	12	—	278	31
2. आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग सहित)	6	—	13*	9*	19	8	438	51
3. राजस्व विभाग	2	—	1	—	16	—	362	46
जोड़	10	—	14*	9*	47	8	1078	128

*एक त्रिभाषी शब्द संसाधक सहित ।

(ख) और (ग) मंत्रालय यथा सम्भव अधिक से अधिक देवनागरी एलैक्ट्रानिक उपकरणों के प्रयोग की आवश्यकता के प्रति पूरी तरह जागरूक है उपकरणों की खरीद करते समय, अन्य संगत कारकों के साथ-साथ इस अपेक्षा को ध्यान में रखा जाता है ।

बिहार में ग्रामीण बैंकों में भ्रष्टाचार

2301. **श्री हुक्मदेव नारायण यादव :** क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कुछ संसद सदस्यों ने अपने दिनांक 23 दिसम्बर, 1985 के पत्र में मांग की है कि बिहार के सीतामढ़ी जिले में ग्रामीण बैंकों में व्याप्त कथित भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच की जाये ; और

(ख) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की गई है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनार्दन पुजारी) : (क) और (ख) सम्भवतः इस प्रश्न का आशय, माननीय संसद सदस्य के दिनांक 23दिसम्बर, 1985

के अपने पत्र से है जिसमें वैशाली क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक की शाखाओं में व्याप्त कथित भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच करने की मांग की गयी थी। वैशाली क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के अध्यक्ष से इन आरोपों की जांच करने और इस संबंध में अपनी रिपोर्ट देने के लिए कहा गया है।

MMTC assistance to Andhra Pradesh Mineral Corporation

2302. SHRI PARVATHANENI UPENDRA: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether the MMTC has any plan to assist the Andhra Pradesh Mineral Corporation in the production and sale of Barytes, Granite, Bauxite and other minerals;

(b) if so, what are the details thereof;

(c) whether any negotiations are in progress in this regard with the Government of Andhra Pradesh; and

(d) if so, what is the outcome thereof?

THE MINISTER OF COMMERCE AND FOOD AND CIVIL SUPPLIES (SHRI P. SHIV SHANKER): (a) Yes. Sir.

(b) An agreement for marketing of Barytes produced by APMC through MMTC has been entered into and MMTC has given financial assistance to improve APMC's liquidity position. Other details are being discussed with APMC.

(c) and (d) The question of MMTC's equity participation in APMC has been referred to Andhra Pradesh Government by APMC Board of Directors. Its outcome is awaited.

Notice to CPWD Union for Member-ship Verification

2303. SHR SURAJ PRASAD: Will the Minister of LABOUR be pleased to state:

(a) whether it is a fact that certain workers' unions of the C.P.W.D. were given notice of verification of their membership on 2nd December, 1982 by the Assistant Labour Commissioners;

(b) whether it is also a fact that the unions were required to submit within 15 days of the notice the list of members on All India level as on 1st December, 1982;

(c) whether it is also a fact that the workers included (i) muster roll workers (ii) workcharged staff and (iii) regular transferred category staff of the C.P.W.D.; and

(d) if so, what are the names of the unions, their replies and what action has been taken on the basis of the information submitted by the unions?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF LABOUR (SHRI P. A. SANGMA): (a) Yes. Sir.

(b) According to the notices issued by the Verification Officer on 2.12.1982 the list of members was required to be submitted on 15.12.1982 by the All-India CPWD Employees Union, on 16.12.1982 by the CPWD Mazdoor Union and on 17.12.1982 by the CPWD Workers' Union.

(c) Yes, Sir.

(d) After the notices were issued, letters were received from all the three unions seeking clarifications regarding the policy procedure and grant of recognition to unions and/or postponment of verification until after a recognition policy is formulated in consultation with the unions concerned. In the meantime, the